मैं तेरा शुक्र करूँ | By Sheetal Pandey |

मैं तेरा शुक्र करूँ
मैं तेरा ज़िक्र करूँ
काव्य फ़िक्र करूँ
आँखें नम हो जाएँ माँ जब
बीते कल का ज़िक्र करूँ
अपना आज जो देखूँ मैया
हर पल तेरा शुक्र करूँ
मैं तेरा शुक्र करूँ
मैं तेरा ज़िक्र करूँ
काव्य फ़िक्र करूँ
चरणों में शीश धरूँ

बड़ी सुनी है मैया मैंने
इस दुनिया की बातें
श्रद्धा भाव से करता रहा माँ
मैं तेरे जागराते
भक्ति में शक्ति है अम्बे
यही सोच के सब्र करूँ
अपना आज जो देखूँ मैया
हर पल तेरा शुक्र करूँ
मैं तेरा शुक्र करूँ
मैं तेरा ज़िक्र करूँ
काव्य फ़िक्र करूँ
चरणों में शीश धरूँ

सच्ची ज्योत में मैया मैंने
दर्शन तेरे पाए
जिसको आसरा तेरा दाती
वो काहे घबराए
तू ही तू दिखती है मैया
मैं जहाँ पर नज़र करूँ
अपना आज जो देखूँ मैया
हर पल तेरा शुक्र करूँ
मैं तेरा शुक्र करूँ
मैं तेरा ज़िक्र करूँ
काव्य फ़िक्र करूँ
चरणों में शीश धरूँ

माँ तेरे आँचल की शीतल
छाया मैंने पाई
सुख सागर की वर्षा अम्बे
तुमने है बरसाई
इतनी कृपा चाहे तुझसे
अच्छे वक्त की कदर करूँ
अपना आज जो देखूँ मैया
हर पल तेरा शुक्र करूँ
मैं तेरा शुक्र करूँ

मैं तेरा ज़िक्र करूँ
काव्य फ़िक्र करूँ
चरणों में शीश धरूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%81-by-sheetal-pandey/